

## **Stupendous Performance of SBPS Pupils in Inter- School Creative Marketing Competition in Mime**

\*SBPS grabs the 1<sup>st</sup> runner up position.

Students of SBPS, Ranchi participated in the Inter- School Creative Marketing Competition in Mime organised by International Library and Cultural Centre, Ranchi and victoriously bagged the 1<sup>st</sup> runner up position. Students from schools across the city participated and presented their act on a product or a social cause. SBPS students Aastha Singh and Kanupriya of Std. XI and Keshav Jalan, Rashi Taneja, Yash Budhia and Yash Kanodia of Std. XII presented their act on the topic 'Say no to domestic violence' and spellbound the audience with their magnificent dramatic performance, brilliant gestures and body movements. The students were rewarded with mementos and certificates for their exemplary depiction.

School Head Personnel & Admin. Mr. Pradip Varma congratulated the winners and said that such experiences will enable the budding artists to sharpen their drama skills.

Principal Mrs. Paramjit Kaur said that such competitions help to discover the hidden talent of the students and also strengthens their confidence.

### **सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का प्रभावशाली प्रदर्शन**

- इंटर स्कूल 'क्रिएटिव मार्केटिंग कांम्पिटिशन इन माइम' में द्वितीय स्थान

इंटरनेशनल लाइब्रेरी एण्ड कल्चरल सेंटर, रांची में आयोजित इंटर स्कूल 'क्रिएटिव मार्केटिंग कांम्पिटिशन इन माइम' में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार मूक अभिनय द्वारा सबका ध्यान आकर्षित करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में कुल दस स्कूलों ने भाग लिया था। 'घरेलु हिंसा के बहिष्कार' पर आधारित इस मूक नाटिका में अपने हाव-भाव एवं सटीक मुद्राओं द्वारा छात्र-छात्राओं ने अपना संदेश सब तक बखूबी पहुंचाया। इस बेहतरीन प्रस्तुति हेतु उन्हें स्मृति चिह्न एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख श्री प्रदीप वर्मा ने बच्चों की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह अनुभव उन्हें भविष्य में अभिनय को करियर बनाने में मदद करेगा।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों में छिपी प्रतिभा को बाहर लाती हैं एवं उनमें आत्मविश्वास की वृद्धि करती हैं।

